

वरिसत

स्रोत: पी.आई.बी.

वस्त्र मंत्रालय 15 से 28 दिसंबर तक नई दिल्ली में वरिसत साड़ी महोत्सव 2024 के तीसरे संस्करण का आयोजन कर रहा है।

- यह मेगा इवेंट विविध हस्तनिर्मित साड़ियों के प्रदर्शन तथा बुनकरों एवं कारीगरों को सीधे बाजार तक पहुँच प्रदान करते हुए भारत के हैंडलूम वरिसत को प्रोत्साहित करता है।
- भारत के हथकरघा क्षेत्र के बारे में:
 - हथकरघा क्षेत्र लगभग 3.5 मिलियन लोगों विशेष रूप से महिलाओं को रोजगार प्रदान करता है, जिसके चलते यह कृषि के बाद दूसरा सबसे बड़ा रोजगार क्षेत्र बन गया है।
 - यह अपनी अनूठी क्षेत्रीय बुनाई जैसे- पैठणी, कांचीपुरम, बनारसी, पटोला इत्यादि के लिये जाना जाता है। इनमें से प्रत्येक में विशिष्ट डिज़ाइन और रूपांकन होते हैं जो विश्व भर से साड़ी प्रेमियों का ध्यान आकर्षित करते हैं।
- हथकरघा क्षेत्र के लिये सरकारी पहल:
 - [राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम \(NHDP\)](#)
 - [कच्चा माल आपूर्ति योजना \(RMSS\)](#)
 - [बुनकरों के लिये मुद्रा ऋण/रियायती ऋण योजना](#)
 - [हथकरघा उत्पादक कंपनियाँ](#)
 - [डिज़ाइन संसाधन केंद्र \(DRC\)](#)
 - [एक ज़िला एक उत्पाद](#)

और पढ़ें: [हथकरघा क्षेत्र में सुधार](#)